साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 17 **गोंदिया : गुरुवार, 2 से 8 दिसम्बर 2021** ■ **पृष्ठ : 4** ■ **मूल्य : रु. 5**

जिप व पंस चुनाव का हुआ शंखनाद

१ दिसंबर से नामांकन । २१ दिसंबर को मतदान । आचार संहिता लागु

बुलंद गोंदिया – गोंदिया भंडारा जिले के जिला परिषद व पंचायत समिति के चुनाव का शंखनाद हो चुका है। जिसके लिए २६ नवंबर को राज्य चुनाव आयोग द्वारा चुनावी कार्यक्रम की घोषणा की है। जिसमें १ दिसंबर से नामांकन, २१ दिसंबर मंगलवार को मतदान किया जाएगा व २२ दिसंबर को परिणाम घोषित होंगे।

गौरतलब है कि गोंदिया व भंडारा जिले की जिला परिषद व पंचायत समिति का कार्यकाल को खत्म हुए डेढ़ वर्ष से अधिक का समय बीत चुका था किंतु कोरोना संक्रमण के चलते चुनाव नहीं हो पाए थे। लेकिन अब राज्य चुनाव आयोग द्वारा गोंदिया व भंडारा जिले की जिला परिषद व पंचायत समितियों के चुनावी कार्यक्रम की घोषणा २६ नवंबर शुक्रवार को की हैं। जिसमें गोंदिया जिला परिषद वह उसके अंतर्गत आने वाली ८ पंचायत समिति तथा भंडारा जिला परिषद अंतर्गत आने वाली ७ पंचायत समितियों का समावेश है।

चुनाव आयोग द्वारा घोषित किए गए कार्यक्रम के अनुसार बुधवार १ दिसंबर को जिलाधिकारी द्वारा चुनावी कार्यक्रम को घोषित करने तथा उसी दिन सुबह ११रु०० बजे से दोपहर ३रु०० बजे तक नामांकन स्वीकार किए जाएंगे जो सोमवार ६ दिसंबर तक मंजूर होंगे तथा रविवार ५ दिसंबर को नामांकन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

भरे गए नामांकन पत्रों की ७ दिसंबर मंगलवार को छटाई वह जांच की जाएगी तथा वैध उम्मीदवारों की सूची नामांकन पत्रों की जांच के पश्चात के पश्चात घोषित की जाएंगी तथा नामांकन पत्र स्वीकार करने अथवा नामंजूर करने के संदर्भ में चुनावी निर्णय अधिकारी द्वारा दिए गए निर्णय के खिलाफ जिला न्यायाधीश को अपील करने की अंतिम तारीख

शुक्रवार १० दिसंबर तथा जिला न्यायाधीश द्वारा अपील पर सुनवाई कर परिणाम घोषित १३ दिसंबर को किए जाएंगे, तथा १३ दिसंबर को जिला न्यायाधीश द्वारा अपील के पश्चात वैद्य उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित की जाएंगी तथा सोमवार १३ दिसंबर को नामांकन वापसी लेने की अंतिम तिथि है जहां अपील नहीं है।

जहां अपील है वहां बुधवार १५ दिसंबर को सुबह ११.०० से ३.०० बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे, सोमवार १३ दिसंबर को ३.३० बजे के पश्चात चुनाव मैदान में उतरे उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित करने तथा चुनावी चिन्ह का वितरण किया जाएगा तथा जहां अपील है वहां बुधवार १५ दिसंबर को दोपहर ३.३० बजे के पश्चात सूची घोषित करने के साथ ही उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह वितरण किया जाएगा। जिसके पश्चात मंगलवार २१ दिसंबर को सुबह ७.३० से शाम ५.३० बजे तक मतदाता द्वारा मतदान किया जा सकेगा तथा २२ दिसंबर बुधवार को मतगणना सुबह १०.०० बजे से शुरु होंगी तथा निर्वाचित सदस्यों के नाम २८ दिसंबर २०२१ तक प्रकाशित किए जाएंगे।

राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों के अनुसार चुनाव के दौरान कोरोना संक्रमण के नियमों का कड़ाई से पालन करने के साथ ही चुनावी प्रचार सभा में खुले प्रांगण में उपस्थित नागरिकों की संख्या प्रांगण की क्षमता से ५० प्रतिशत अथवा अधिक से अधिक २०० व्यक्तियों की मर्यादित की गई है। तथा मतदान के दौरान कार्य करने वाले कर्मचारियों तथा मतदाताओं के लिए संबंधित क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान चलाया जाए इस प्रकार का आदेश राज्य चुनाव आयोग द्वारा घोषित किया गया है।

आचार संहिता का कड़ाई से हो पालन - जिलाधिकारी

बुलंद गोंदिया – जिलाधिकारी कार्यालय के सभागृह में जिले के सभी प्रमुख अधिकारियों की चुनाव के संदर्भ में आयोजित सभा में जिलाधिकारी नयना गुंडे ने निर्देश देते हुए कहा कि राज्य चुनाव आयोग द्वारा गोंदिया जिला परिषद व उसके अंतर्गत आने वाली ८ पंचायत समितियों के सार्वजनिक चुनाव कार्यक्रम २६ नवंबर को घोषित किया गया। जिससे उसी दिन से आचार संहिता लागू हो चुकी है। इस दौरान जिले में नगद राशि का परिवहन, शराब के परिवहन पर कड़ाई से प्रतिबंध लागू किया जाए। पुलिस प्रशासन व राज्य उत्पादन शुल्क विभाग को इसके निर्देश दिए गए। जिला परिषद व पंचायत समिति के चुनाव शांतिपूर्ण वातावरण में निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो इसके लिए आचार संहिता के दौरान कोई भी अधिकारी राजकीय पदाधिकारियों से मुलाकात न करें, अन्यथा उन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएंगी। चुनाव के दौरान अधिकारी व कर्मचारी निष्पक्ष रुप से काम करें। जिले में आचार संहिता लागू होने पर पुलिस विभाग द्वारा कानून व सुरक्षा व्यवस्था का कड़ाई से पालन करें इस पर वे सावधानी बरतें। जब तक जिले में आचार संहिता लागू है इस दौरान किसी भी प्रकार के नए शासकीय कार्य शुरु नहीं किए जा सकते। इस संदर्भ में सभी विभाग सावधानी बरतें तथा इस दौरान प्रत्येक विभाग किसी भी प्रकार का धोरनात्मक निर्णय न ले तथा विज्ञापन नहीं दिए जा सकते, ऐसी जानकारी आयोजित सभा में दी गई।

इस दौरान सभा में जि प के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल, जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, उप जिलाधिकारी चुनाव सुभाष चौधरी, उप जिलाधिकारी सामान्य स्मिता बेलपत्रे सहित विभिन्न विभागों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित थे।

आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार नामांकन के साथ जाति प्रमाण पत्र संलग्न करें

बुलंद गोंदिया – गोंदिया जिले में होने वाले जिला परिषद, पंचायत समिति व नगर पंचायत तथा ग्राम पंचायत चुनावों की घोषणा हो चुकी है। उपरोक्त चुनाव में उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पेश करते समय ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को जाति प्रमाण पत्र आवश्यक दस्तावेज जोड़ना अनिवार्य हैं जिसके चलते उम्मीदवार आवेदन पेश करते समय उपरोक्त विषयों का विशेष ध्यान रखें ऐसा आवाहन जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष द्वारा किया गया है।

जिले में जिला परिषद की ५३, पंचायत समिति की १०६ व अर्जुनी मोरगांव, सड़क अर्जुनी वह देवरी नगर पंचायत के कुल ५१ सीटों के लिए २१ दिसंबर को मतदान किया जाएगा तथा उपरोक्त चुनाव में उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पेश करने की प्रक्रिया १ दिसंबर से शुरु होने वाली है। जिसमें जिला परिषद व पंचायत समिति के लिए ६ दिसंबर तक तथा नगर पंचायत के लिए ७ दिसंबर तक आवेदन पेश किए जा सकेंगे तथा १३ दिसंबर को नामांकन वापसी की अंतिम तारीख है। इसके साथ ही कुछ स्थानों पर ग्राम पंचायतों के चुनाव भी होने वाले हैं उपरोक्त चुनाव के लिए उम्मीदवारों द्वारा आवेदन पेश करते समय आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों द्वारा जाति प्रमाण पत्र व अन्य आवश्यक दस्तावेज लगाना अनिवार्य हैं अन्यथा उम्मीदवारी रद्द होने की संभावना है जिसके चलते उम्मीदवार आवेदन पेश करते समय उपरोक्त बातों का विशेष ध्यान रखें ऐसा आवाहन जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष द्वारा किया गया है।

यादव बने शहर शिवसेना अध्यक्ष

मुख्यमंत्री व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की अनुशंसा पर सुभाष देसाई ने सौंपा नियुक्ति पत्र

बुलंद गोंदिया – गोंदिया नगर परिषद के युवा पार्षद लोकेश (कल्लू) यादव की शहर शिवसेना अध्यक्ष पद पर नियुक्ति मुख्यमंत्री व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की अनुशंसा पर की गई जिन्हें सांसद सुभाष देसाई द्वारा मुंबई में नियुक्ति पत्र दिया गया।

गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत शिवसेना को पक्ष को और अधिक मजबूती प्रदान करने हेतु तथा जिले में आगामी सभी स्थानीय निकायों के चुनाव तथा नगर परिषद के चुनाव को देखते हुए मुख्यमंत्री व शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे की अनुशंसा पर गोंदिया नगर परिषद के युवा जुझारु पार्षद लोकेश कल्लू यादव के जन सहयोग के कार्यों को देखते हुए शहर शिवसेना अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उन्हें नियुक्ति का पत्र शिवसेना मुख्यालय मुंबई में शिवसेना सांसद सुभाष देसाई, गजानन कीर्तिकर, निलेश धुमाल, श्री वाघ, मुकेश शिवहरे, गोंदिया शिवसेना जिला प्रमुख पंकज यादव, सुरेंद्र नायडु की प्रमुख उपस्थिति में सौंप कर पक्ष को मजबूत करने के निर्देश दिए गए। पार्षद लोकेश यादव की शिवसेना शहर अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के पश्चात मुंबई से शहर आगमन पर जिले के शिवसेना के वरिष्ठ पदाधिकारियों व बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं द्वारा शुभकामना देकर अभिनंदन किया गया।

पूर्व विधायक गोपाल दास अग्रवाल के हस्ते लंबाटोला में २७ लाख के

ग्राम पंचायत, महिला बचत व आंगनवाड़ी की नई इमारत का लोकार्पण

बुलंद गोंदिया – गोंदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम लंबा टोला में जन सुविधा योजना के अंतर्गत २७लाख रुपए की लागत के विभिन्न नव निर्मित इमारतों का लोकार्पण पूर्व विधायक गोपाल दास के हस्ते किया गया इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दीपावली के पूर्व धान खरीदी केंद्र शुरु करने के राज्य सरकार के सभी दावे खोखले साबित हुए हैं। उपरोक्त कार्यक्रम में १२ लाख रुपए की लागत से नए ग्राम पंचायत भवन, परशुटोली लंबाटोला में ९ लाख की लागत से महिला बचत भवन व ६ लाख की लागत से नई आंगनवाड़ी भवन की नई इमारत का लोकार्पण सरपंच योगराम ठाकरे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की प्रस्तावना पूर्व सरपंच मारुति दरोई में रखते हुए कहा कि लंबाटोला ग्राम को विकास की मुख्यधारा में लाने का श्रेय गोपालदास अग्रवाल को जाता है। तथा पांजरा-लंबाटोला के बीच पांगोली नदी पर बंधारे का निर्माण करवाया जिसमें १००० एकड़ भूमि को सिंचाई की सुविधा, कामठा- लंबाटोला के बीच ५ करोड रुपए की लागत से रास्तों का निर्माण और ग्राम की विभिन्न समस्याओं को हल करने में हमेशा उनको सहयोग रहा है। तथा आज २७लाख रुपए की लागत से निर्मित इमारतों की मंजूरी में भी उनका विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सभी ग्राम पंचायतों में जरुरतमंदो को ब यादि को मंजूरी देकर लाखों आवास योजना के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया वहीं हर किसान को सालाना ६००० की आर्थिक मदद देने तथा जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए कृषि कानून को वापस लिया, पेट्रोल डीजल के मूल्यों में भारी कटौती कर आम आदमी को राहत दी। राज्य की १०० करोड रुपए वसूली में व्यस्त महा विकास आघाडी सरकार जनहित के सभी कार्यों को ताक पर रखकर केवल भ्रष्टाचारियों को बचाने में लगी हुई है। स्वयं को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय नेता बताने वालों ने दीपावली के पूर्व धान खरीदी केंद्रों को शुरु करने के लिए वाह वाही लूटी लेकिन तुलसी विवाह भी जा चुका है। कार्तिक पूर्णिमा भी चले गई आज तक धान खरीदी केंद्रों में किसानों का धान तुल नहीं पाया है। और इस वर्ष खरीफ को ७०० रुपये कुंटल का बोनस भी नहीं मिलने की घोषणा अंतरराष्ट्रीय नेता द्वारा की गई है। लेकिन हम सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस के माध्यम से राज्य सरकार पर दबाव बनाकर धान पर १०००रुपये कुंटल का बोनस दिलाने के लिए कटिबद्ध हैं। हम सबको काम करने वालों और काम करने का झूठा नाटक करने वालों के बीच अंतर कर योग्य नेता और दल के साथ खड़े रहने की जरुरत है। जिसका उदाहरण ग्राम लंबाटोला के नागरिकों के नागरिक निश्चित रुप से आगामी जिला परिषद, पंचायत समिति चुनाव में करेंगे आयोजित कार्यक्रम में तहसील भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष माधुरी हरिनखेडे, टीकाराम भाजीपाले, हुकुमचंद नागपुरे, दिलीप गिरी, परमेश्वर ठाकरे, डॉक्टर भाऊलाल गिरिपुंजे, डेलीम हुमे, सुनीता बाई बेंद्रे, मारुति दरोई, ज्ञानीराम जगने, सुखदेव सौदरकर, मनोहर कावडे, राजकुमार भूते, धनेश रावते, प्रीति बाई सौदकर, ममता बाई ठाकरे, रामवती बाई मेश्राम, श्यामाबाई देशमुख, सीताबाई कुसराम बड़ी संख्या में लंबाटोला के नागरिक उपस्थित थे।

संविधान से मिला स्त्रियों को मान-सम्मान से जीने का अधिकार - माधुरी हरिनखेडे

बुलंद संवाददाता खातिया – संविधान से हम स्त्रियों को मान सम्मान जीने का अधिकार मिला है यह विचार पूर्व सभापति पंचायत समिति गोंदिया माधुरी माधुरी हरिनखेडे ने ग्राम बिरसी में भारतीय बौद्ध महासभा ग्राम शाखा के द्वारा आयोजित संविधान दिवस के अवसर पर कहा। सर्वप्रथम तथागत भगवान गौतम बुद्ध, बोधिसत्व परम पूज्य डॉ. आंबेडकर, छत्रपति शिवाजी महाराज, अशोक स्तंभ पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया व वंदना लेकर भारत का संविधान उद्देशिका का पठन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम की सरपंच इंदु राकेश वंजारी ने की व प्रमुख अतिथि के रुप में राजीव ठकरेले, रामकृष्ण पधंरे, सुशील खरखाटे, तहसील उपाध्यक्ष नरेंद्र बोरकर, सामाजिक कार्यकर्ता उमेश पंडेले, सर्कल कामठा अध्यक्ष योगीराज वंजारी, महिला उपाध्यक्ष अस्मिता उके, आदि प्रमुखता से उपस्थित थे। इस अवसर पर मोर सोन चिरैया म्यूजिकल आर्केस्ट्रा ग्रुप आमगांव द्वारा भीम गीतों की प्रस्तुति दी गई। समस्त ग्रामीण जनता भीम गीतों पर झूम उठे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भारतीय बौद्ध महासभा ग्राम शाखा के अध्यक्ष दीपक वंजारी, उपाध्यक्ष हितेश वंजारी, महासचिव बसंत मेश्राम, कोषाध्यक्ष राकेश वंजारी, सहसचिव अनिल बंसोड भारतीय बौद्ध महासभा ग्राम शाखा सदस्य व समाज बंधुओं ने प्रयास किया।

जिले की सत्ता का दरवाजा खुलेगा चाबी से -विधायक विनोद अग्रवाल

बुलंद गोंदिया – गोंदिया विधानसभा के विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यकाल का २ वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित पत्र परिसर में उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए करोड़ों रुपए के कार्य किए गए हैं तथा प्रस्तावित कार्य जल्द ही शुरु होंगे। आगामी चुनावों में चाबी दल महत्वपूर्ण साबित होगा। जिले की सत्ता का दरवाजा चाबी संघटना के बिना नहीं खुल पाएगा। आगे उन्होंने बताया कि विधायक पद की शपथ लिए २ वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। किंतु इस दौरान कोरोना संक्रमण का समय रहा है। किंतु गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने के लिए करोड़ों रुपए के विकास कार्य मंजूर करवा चुके है। जिसमें १७३ करोड रुपए के कार्य शुरु होने के साथ ही कुछ कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। जिसमें विधायक निधि से अक्टूबर २०२१ तक गोंदिया शहर के मार्ग, नाली, धार्मिक स्थलों का विकास, सभागृह व अन्य सुविधाओं के लिए २१ करोड़, गोंदिया ग्रामीण क्षेत्र के मार्ग, नाली, सभा मंडप, महापुरुषों के स्मारक, पीने के पानी के लिए २७ करोड, जिले के महामार्ग व डामरीकरण तथा पुल के निर्माण के लिए ३६ करोड, ग्रामीण रास्ते व पुल निर्माण २७ करोड, जिप स्कूलों का विकास व इमारत बांधकाम व दुरुस्ती के लिए १४ करोड़, ५ एंबुलेंस १ करोड़, पांदन मार्गों के खड़ीकरण व मरुमीकरण के लिए २५ करोड़ तथा तीर्थ क्षेत्र पर्यटन स्थल के विकास के लिए १ करोड़, जिला चिकित्सालय की अत्याधुनिक सामग्री के लिए ११ करोड तथा दलित वस्ती सुधार योजना अंतर्गत ३ करोड रुपए का समावेश है। इसके अलावा राष्ट्रीय महामार्ग योजना के अंतर्गत गोंदिया-आमगांव सीमेंट मार्ग निर्माण २३९.२४ करोड़, गोंदिया-तिरोडा सीमेंट मार्ग निर्माण कार्य २८२ करोड़, मार्ग का डामरीकरण बालाघाट रोड टी-पाईंट से मध्यप्रदेश की सीमा तक १८.२४ करोड, गोंदिया पूर्वी बाईपास का डामरीकरण व नवीनीकरण ७.३६ करोड इस प्रकार ५५२.९७ करोड रुपए का समावेश है।

आगामी समय के लिए कार्यों का नियोजन किया गया है जिसकी प्रस्तावना व रुपरेखा पूर्ण हो चुकी है। जिसकी जल्द ही शासकीय मान्यता प्राप्त होते ही कार्य शुरु होगा। जिसमें सिंचाई के लिए बाघ, नहर के लिए १३० करोड, पिंडकेपार प्रकल्प का पुनर्निर्माण, नवेगांव-देवरी उपसा सिंचन योजना का कार्य, डागोरली बांध का निर्माण, सिवनी तेढवा राजेगांव काटी उपसा सिंचन योजना का समावेश है। इसके साथ ही जीएनएम कॉलेज व वस्तिगृह इमारत २१ करोड़, एएनएम कॉलेज २१ करोड़, जल जीवन मिशन के अंतर्गत गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक घरों तक पानी उपलब्ध कराने के लिए वैनगंगा नदी पर लिफ्ट इरिगेशन का प्रस्ताव जिसके लिए १०० करोड तथा गोंदिया तहसील के अंतर्गत किसानों की सुविधा के लिए प्रत्येक ग्रामों में कृषि गोदाम का निर्माण, गोंदिया शहर के घनकचरा के लिए बायो माइनिंग का कार्य, दिव्यांग व्यक्तियों को मोटर ट्राईसाईकिल का वितरण, किसानो को बारदाना की राशि तथा राजेगांव के पुराने पुलिया पर पुन:निर्माण कर बांध का निर्माण जिससे राजेगाव काटी उपसा सिंचन को पानी कि अधिक उपलब्धता होंगी। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। जिसमें २० वर्षों से प्रलंबित संपत्ति हस्तांतरण कानून में सुधार, आवास योजना के अंतर्गत राज्य में सर्वाधिक ४१०८९ आवास योजना मंजूर, शहर का सिटी सर्वे मंजूर करवाया गया जिससे भूमाप्रिया पर लगाम, भूमिगत गटर योजना का कार्य शुभारंभ, गोंदिया ग्रामीण क्षेत्र में नदी से लगे ग्रामों में बाढ़ की स्थिति में नुकसान होने पर नुकसान ग्रस्तों को सहायता उपलब्ध करवाना तथा गोंदिया शहर के पुराने उड़ान पुल को तोड़कर नए पुल का निर्माण आदि महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

संपादकिय

बहरुपिया वायरस

पिछले करीब दो साल से कोरोना वायरस के साये में रहते हुए लोग आजिज आ चुके हैं। यूरोप के कई शहरों में बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर लगाई गई पाबंदियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की खबरें हैं।

अब जब कोरोना संक्रमण के नए मामले काफी हद तक काबू में नजर आ रहे थे और देश में तीसरी लहर की आशंका कमजोर पड़ती जा रही थी, अचानक इस वायरस के एक नए वैरिएंट ने फिर खतरे की घंटी बजा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर आगाह किया है। खासकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अों पर विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। इस नए वैरिएंट बी.१.१.५२९ की पहचान पिछले ह¶ते साउथ अÝीका में हुई। हालांकि इसके मामले अभी ज्यादा नहीं हैं, प्रभावित इलाके भी सीमित ही हैं। इसके बावजूद अगर इस नए वैरिएंट को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है तो उसकी वजह है इसमें दिखे अप्रत्याशित रुप से ज्यादा म्यूटेशन।

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस वैरिएंट में करीब ५० म्यूटेशन देखे गए हैं, ३० से अधिक तो सिर्फ स्पाइक प्रोटीन में हैं। ध्यान रहे, ज्यादातर वैक्सीन स्पाइक प्रोटीन को ही निशाना बनाती हैं। इसी के सहारे वायरस मानव शरीर की कोशिकाओं तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करता है। जाहिर है, स्पाइक प्रोटीन में इतने सारे म्यूटेशन से यह सवाल खड़ा हो गया है कि पता नहीं

अब तक उपलब्ध तमाम टीके वायरस के इस नए वैरिएंट पर किस हद तक कारगर होंगे, होंगे भी या नहीं। बोत्सवाना में ऐसे लोग भी इससे संक्रमित हुए हैं, जो टीके के सभी आवश्यक डोज ले चुके हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह संक्रमण हवा के जरिए भी फैल सकता है। हांगकांग में होटल के अलग-अलग कमरों में ठहरे लोगों के स्वैब में इसकी मौजूदगी से लगता है कि इसके फैलने के लिए लोगों का एकदम पास आना या किसी तरह से इसके स्पर्श में आना जरुरी नहीं है। सच है कि इस नए वैरिएंट की नुकसान पहुंचाने की क्षमता और इस पर काबू पाने के तरीकों का पता करने के लिहाज से ये जानकारियां नाकाफी हैं। मगर इसी वजह से सावधानी और ज्यादा जरुरी हो जाती है।

खतरा यह बन गया है कि कहीं जाते-जाते भी लौट आने वाली यह महामारी इस बार अब तक के हमारे सारे प्रयासों पर पानी फेरते हुए तमाम टीकों को बेअसर न साबित कर दे। ध्यान रखना होगा कि पिछले करीब दो साल से इसके साये में रहते हुए लोग आजिज आ चुके हैं। यूरोप के कई शहरों में बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर लगाई गई पाबंदियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की खबरें हैं। अपने देश में भी परेशानी भरे लंबे दौर के बाद अब स्थिति सामान्य होने की ओर है। ऐसे में इस आशंका के लिए कोई गुंजाइश नहीं बनने दी जा सकती कि हालात फिर से उतने ही गंभीर हो जाएंगे। इसका एकमात्र तरीका है यह सुनिश्चित करना कि बाहर से आने वाले एक-एक व्यक्ति की बारीकी से जांच करने और सभी आवश्यक कदम उठाने में किसी भी तरह की लापरवाही न हो।

विश्व एड्स दिवस

विश्व एड्स दिवस, १९८८ के बाद से १ दिसंबर को हर साल मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के प्रसार की वजह से एड्स महामारी के प्रति जागरुकता बढाना, और इस बीमारी से जिसकी मौत हो गई है उनका शोक मनना है। सरकार और स्वास्थ्य अधिकारी, ग़ैर सरकारी संगठन और दुनिया भर में लोग अक्सर एड्स की रोकथाम और नियंत्रण पर शिक्षा के साथ, इस दिन का निरीक्षण करते हैं।

एड्स का पूरा नाम **एक्वायर्ड इम्यूलनो डेफिसिएंशी सिंड्रोम** (acquired immune deficiency syndrome) है और यह एक तरह का विषाणु है, जिसका नाम HIV (Human immunodeficiency virus) है।

इतिहास

प्रारंभ में विश्व एड्स दिवस को सिर्फ बच्चों और युवाओं से ही जोड़कर देखा जाता था परन्तु बाद में पता चला कि एचआईवी संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। इसके बाद साल १९९६ में HIV/AIDS पर संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक स्तर पर इसके प्रचार और प्रसार का काम संभालते हुए साल १९९७ में विश्व एड्स अभियान के तहत संचार, रोकथाम और शिक्षा पर कार्य करना शुरु किया।

इलाज़

अमेरिकन जीन टेक्नोलॉजीज का दावा है कि एक जीन थेरेपी के माध्यम से एचआईवी-एड्स का इलाज संभव है। कंपनी का दावा है कि हमने इस दिशा में अपना शोध कार्य पूरा करते हुए फाइनल रिपोर्ट एफडीए को सौंपी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस ड्रग्स से एचआईवी को जड़ से खत्म किया जा सकता है। हलाकि एचआईवी-एड्स का आध्यामिक इलाज़ भी संभव है, अध्यात्म के मुताबित सत भक्ति (सतज्ञान) करने से बड़े बड़े रोग दूर फिर चाहे वह एड्स ही क्यों ना हो।

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस अथवा अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस प्रतिवर्ष ३ दिसंबर को मनाया जाता है। वर्ष १९७६ में संयुक्त राष्ट्र आम सभा के द्वारा **विकलांगजनों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष** के रुप में वर्ष १९८१ को घोषित किया गया था। भारत में स्पेशल दिव्यांगों क ा` स्वा्वाबलंबन बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस ३ दिसंबर २०२० के उपरांत tea24 Disability Foundation डिसेबिलिटी फाउंडेशन ने १० दिव्यांगों को स्वाबलंबन परमानेंट जॉब देकर किया आज फाउंडेशन भारी मात्रा में दिव्यांगों स्वाबलंबन बनाने पर कार्य कर रहा है। डिसेबिलिटी फाउंडेशन की डायरेक्टर मंजू कुमारी बिहार पटना से जो स्वयं दोनों पैरों से दिव्यांयांग है

साप्ताहिक राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र पर मिलनसार और सौहार्दपूर्ण वातावरण के चलते अच्छा करने को प्रेरित होंगे। धन संबंधित मामलों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, जल्द ही कोई आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। अपनी पसंदीदा चीजों पर खर्चा करना संतोषजनक साबित होगा। घर के कामों में मदद करने के आपके स्वभाव की सभी तारीफ करेंगे। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम अधिकांश शारीरिक बीमारियों को दूर रखने में मददगार साबित होगा।

वृषभ : पढ़ाई में दूसरों से आगे निकलने के लिए देर रात मेहनत करने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र पर अपने अधिकारों को बांटना काम करने का सही तरीका साबित होगा जिसके चलते आप पर काम का बोझ कुछ कम होगा। प्रोफेशनली अपने काम को लेकर सतर्क रहें और कोई भी गलती न छोड़ें। इस सप्ताह खुशखबरी आपका इंतजार कर रही है। शेयर मार्केट में खोया हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। सरप्राइज गिफ्ट और कैंडल लाइट डिनर से अपने साथी को प्रभावित करेंगे।

मिथुन : काम को लेकर आपके सर्वश्रेष्ठ व्यवहार के चलते किसी महत्वपूर्ण कार्य के अच्छी तरह से पूरा होने की संभावना है। किसी खानदानी विरासत के मिलने में समय लग सकता है, इसलिए खुद पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों के लिए समय थोड़ा कठिन चल रहा है। अपने साथी के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश करें। नवविवाहित जोड़े एक-दूसरे के साथ समय बिताकर अच्छा महसूस करेंगे। यात्राओं के योग बन रहे हैं। मनपसंद जगह घूमने का मौका मिल सकता है।

कर्क : इस हफ्ते चाहे कोई आपके साथ कितना ही गलत कर ले, पर आप उसे माफ करने के मूड में रहेंगे। समाज में आपके द्वारा किए गए प्रयासों की सभी सराहना करेंगे जिसके चलते आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और पहचान मिलेगी। सैलरी में बढ़ोतरी के आपके अनुरोध को सहानुभूति के सुना जा सकता है। किसी को उधार दिया हुआ पैसा तुरंत वापस मिल जाएगा। पुराने दोस्तों से मिलकर और पुरानी यादें ताजा होंगी।

सिंह : कार्यक्षेत्र पर कोई आपकी उपलब्धियों की प्रशंसा कर सकता है। विदेश यात्राओं के योग बन रहे हैं। किसी विशेष व्यक्ति से विदेश जाकर मिलने की इच्छा जल्दी ही पूरी होने की संभावना है। इस सप्ताह आप में से कुछ लोग प्रोफेशनली खुद को बेड़ियों में जकड़ा हुआ और असहाय महसूस कर सकते हैं, जो निराशाजनक साबित हो सकता है। किसी लोन को पास कराने में आ रहीं समस्याओं के चलते लोन का विचार छोड़ने की सोच सकते हैं। इस हफ्ते व्यवसाय करने वाले लोगों को विवेकपूर्ण तरीकों से खर्च करने की आवश्यकता है।

कन्या : प्रोफेशनल्स और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोग अतिरिक्त कार्यभार को कुशलता से पूरा करने में सफल होंगे। कार्यक्षेत्र पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उच्च अधिकारियों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब होंगे। किसी सामाजिक काम के लिए पैसों का इंतजाम करने में मेहनत करनी पड़ सकती है। प्रॉपर्टी के किसी विवाद के चलते भाई-बहनों के खिलाफ खड़ा होने की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि आप समय रहते ही इस समस्या का सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान ढूंढने की कोशिश करें।

तुला : धन संबंधित मामलों को लेकर सतर्क रहने की जरुरत है। इस सप्ताह धन संबंधित चली आ रही समस्या को सुलझाने के लिए समय देने की आवश्यकता होगी। माता-पिता या बुजुर्ग आप पर किसी ऐसे काम को करने का दबाव बना सकते हैं जिसे आप सहमत नहीं होंगे। थकान के चलते सुस्ती महसूस कर सकते हैं। आपका साथी इस सप्ताह कुछ समय अकेले रहना चाहते हैं, इसलिए उसकी भावनाओं का सम्मान करें। पढ़ाई में आपसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

वृश्चिक : अपने उत्कृष्ट बातचीत कौशल के चलते इस सप्ताह हर किसी को प्रभावित करने में सफल होंगे। पिछले किए गए किसी निवेश के अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। यात्राओं पर जाने के योग बन रहे हैं। शहर से बाहर परिवार के साथ किसी यात्रा पर जाना मजेदार साबित होगा। कुछ खास हासिल करने का लक्ष्य रखने वालों को कोई नहीं रोक सकता। रोमांस के लिए ये सप्ताह संतोषजनक साबित होगा। अपने साथी के कैंडल लाइट डिनर पर जाकर रोमांचित महसूस करेंगे।

धनु : शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए अच्छा समय चल रहा है। कोई ऑफिस में आपके कार्यभार को साझा करने की पेशकश कर सकता है। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, अपने साथी के साथ समय बिताना और गिफ्ट देना संतोषजनक साबित होगा। विदेश यात्रा पर जाना मजेदार साबित होगा। रियल स्टेट से जुड़े लोग किसी अच्छी डील को करने में कामयाब होंगे। घर पर कुछ बदलावों के करने के आपके सुझाव का सभी लोग स्वागत करेंगे।

मकर : सेहत से जुड़ी किसी समस्या में घरेलू उपचार अपनाना फायदेमंद साबित होगा। इस सप्ताह समाज में आपकी लोकप्रियता काफी बढ़ सकती है। करियर के लिए यह सप्ताह काफी उत्कृष्ट साबित होगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा रहेगा। एक-दूसरे के साथ समय बिताने से साथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। इस सप्ताह आपके शुभचिंतक आपका सहयोग करेंगे।

कुंभ : प्रोफेशनली ये सप्ताह आपके लिए उत्कृष्ट साबित होगा। धनलाभ के योग बन रहे हैं। कुछ समय पहले शुरु किए गए किसी व्यवसाय से लाभ मिलने की संभावना है। आप किसी ऐसे व्यक्ति का सही मार्गदर्शन करने में सफल होंगे, जो आप पर पूरा विश्वास कर रहा है। किसी पार्टी या समारोह के निमंत्रण से आपको लोगों से मिलने और अपने व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है।

मीन : कार्यक्षेत्र पर किसी मुश्किल समस्या का समाधान करने से आपकी प्रतिष्ठा में इजाफा होगा। यात्राओं से अच्छा व्यापार मिलने की संभावना है। इस सप्ताह आर्थिक रुप से आप खुद को बेहतर स्थिति में पाएंगे। अपने किसी ड्रीम प्रोजेक्ट में निवेश करने की योजना बना सकते हैं। घर का माहौल शांत और खुशनुमा रहेगा। दोस्तों और करीबियों के आपके घर आने से घर की रौनक बढ़ेगी। प्रेम संबंधों को लेकर ये सप्ताह संतोषजनक रहेगा।

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (३ दिसम्बर १८८४ - २८ फरवरी १९६३) भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। वे भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रुप में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। राष्ट्रपति होने के अतिरिक्त उन्होंने भारत के पहले मंत्रिमंडल में १९४६ एवं १९४७ में कृषि और खाद्यमंत्री का दायित्व भी निभाया था। सम्मान से उन्हें प्राय: **राजेन्द्र बाबू** कहकर पुकारा जाता है।

प्रारंभिक जीवन

राजेन्द्र बाबू का जन्म ३ दिसम्बर १८८४ को बिहार के तत्कालीन सारण जिले (अब सीवान) के जीरादेई नामक गाँव में हुआ था। उनके पिता महादेव सहाय संस्कृत एवं फारसी के विद्वान थे एवं उनकी माता कमलेश्वरी देवी एक धर्मपरायण महिला थीं।

राजेन्द्र प्रसाद के पूर्वज मूलरुप से कुआँगाँव, अमोढ़ा (उत्तरप्रदेश) के निवासी थे। यह एक कायस्थ परिवार था। कुछ कायस्थ परिवार इस स्थान को छोड़ कर बलिया जा बसे थे। कुछ परिवारों को बलिया भी रास नहीं आया इसलिये वे वहाँ से बिहार के जिला सारण (अब सीवान) के एक गाँव जीरादेई में जा बसे। इन परिवारों में कुछ शिक्षित लोग भी थे। इन्हीं परिवारों में राजेन्द्र प्रसाद के पूर्वजों का परिवार भी था। जीरादेई के पास ही एक छोटी सी रियासत थी - हथुआ। चूँकि राजेन्द्र बाबू के दादा पढ़े-लिखे थे, अत: उन्हें हथुआ रियासत की दीवानी मिल गई। पच्चीस-तीस सालों तक वे उस रियासत के दीवान रहे। उन्होंने स्वयं भी कुछ जमीन खरीद ली थी। राजेन्द्र बाबू के पिता महादेव सहाय इस जमींदारी की देखभाल करते थे। राजेन्द्र बाबू के चाचा जगदेव सहाय भी घर पर ही रहकर जमींदारी का काम देखते थे। अपने पाँच भाई-बहनों में वे सबसे छोटे थे इसलिए पूरे परिवार में सबके प्यारे थे।

उनके चाचा के चूँकि कोई संतान नहीं थी इसलिए वे राजेन्द्र प्रसाद को अपने पुत्र की भाँति ही समझते थे। दादा, पिता और चाचा के लाड़-प्यार में ही राजेन्द्र बाबू का पालन-पोषण हुआ। दादी और माँ का भी उन पर पूर्ण प्रेम बरसता था।

बचपन में राजेन्द्र बाबू जल्दी सो जाते थे और सुबह जल्दी उठ जाते थे। उठते ही माँ को भी जगा दिया करते और फिर उन्हें सोने ही नहीं देते थे। अतएव माँ भी उन्हें प्रभाती के साथ-साथ रामायण, महाभारत की कहानियाँ और भजन कीर्तन आदि रोजाना सुनाती थीं।

पाँच वर्ष की उम्र में ही राजेन्द्र बाबू ने एक मौलवी साहब से फारसी में शिक्षा शुरु की। उसके बाद वे अपनी प्रारंभिक शिक्षा के लिए छपरा के जिला स्कूल गए। राजेन्द्र बाबू का विवाह उस समय की परिपाटी के अनुसार बाल्यकाल में ही, लगभग १३ वर्ष की उम्र में, राजवंशी देवी से हो गया। विवाह के बाद भी उन्होंने पटना की टी.के. घोष अकादमी से अपनी पढाई जारी रखी। उनका वैवाहिक जीवन बहुत सुखी रहा और उससे उनके अध्ययन अथवा अन्य कार्यों में कोई रुकावट नहीं पड़ी।

लेकिन वे जल्द ही जिला स्कूल छपरा चले गये और वहीं से १८ वर्ष की उम्र में उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा दी। उस प्रवेश परीक्षा में उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। सन् १९०२ में उन्होंने कोलकाता के प्रसिद्ध प्रेसिडेंसी कॉलेज में दाखिला लिया। उनकी प्रतिभा ने गोपाल कृष्ण गोखले तथा बिहार-विभूति अनुग्रह नारायण सिन्हा जैसे विद्वानों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। १९१५ में उन्होंने स्वर्ण पद के साथ विधि परास्नातक (एलएलएम) की परीक्षा पास की और बाद में लॉ के क्षेत्र में ही उन्होंने डॉक्ट्रेट की उपाधि भी हासिल की। राजेन्द्र बाबू कानून की अपनी पढाई का अभ्यास भागलपुर, बिहार में किया करते थे।

हिन्दी एवं भारतीय भाषा-प्रेम

यद्यपि राजेन्द्र बाबू की पढ़ाई फारसी और उर्दू से शुरु हुई थी तथापि बी.ए. में उन्होंने हिंदी ही ली। वे अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, फ़ारसी व बंगाली भाषा और साहित्य से पूरी तरह परिचित थे तथा इन भाषाओं में सरलता से प्रभावकारी व्याख्यान भी दे सकते थे। गुजराती का व्यावहारिक ज्ञान भी उन्हें था। एम. एल. परीक्षा के लिए हिन्दू कानून का उन्होंने संस्कृत ग्रंथों से ही अध्ययन किया था। हिन्दी के प्रति उनका अगाध प्रेम था। हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं जैसे भारत मित्र, भारतोदय, कमला आदि में उनके लेख छपते थे। उनके निबन्ध सुरुचिपूर्ण तथा प्रभावकारी होते थे। १९१२ ई. में जब अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन का अधिवेशन कलकत्ते में हुआ तब स्वागतकारिणी समिति के वे प्रधानमंत्री थे। १९२० ई. में जब अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन का १०वाँ अधिवेशन पटना में हुआ तब भी वे प्रधानमंत्री थे। १९२३ ई. में जब सम्मेलन का अधिवेशन काकीनाडा में होने वाला था तब वे उसके अध्यक्ष मनोनीत हुए थे परन्तु रुग्णता के कारण वे उसमें उपस्थित न हो सके। अत: उनका भाषण जमनालाल बजाज ने पढ़ा था। १९२६ ई. में वे बिहार प्रदेशीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन के और १९२७ ई. में उत्तर प्रदेशीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन के सभापति थे। हिन्दी में उनकी आत्मकथा बड़ी प्रसिद्ध पुस्तक है। अंग्रेजी में भी उन्होंने कुछ पुस्तकें लिखीं। उन्होंने हिन्दी के **देश** और अंग्रेजी के **पटना लॉ वीकली** समाचार पत्र का सम्पादन भी किया था।

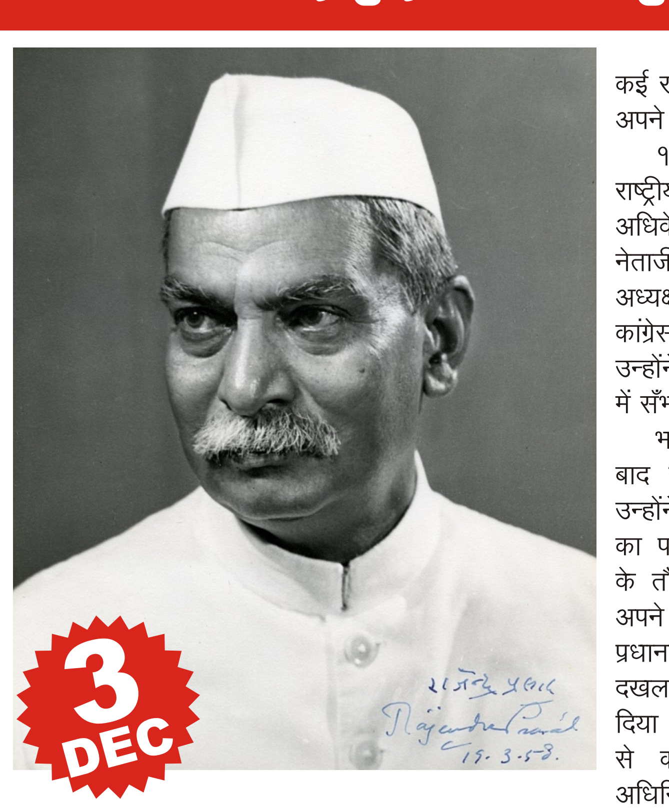

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनका पदार्पण वक़ील के रुप में अपने कैरियर की शुरुआत करते ही हो गया था। चम्पारण में गांधीजी ने एक तथ्य अन्वेषण समूह भेजे जाते समय उनसे अपने स्वयं सेवकों के साथ आने का अनुरोध किया था। राजेन्द्र बाबू महात्मा गाँधी की निष्ठा, समर्पण एवं साहस से बहुत प्रभावित हुए और १९२८ में उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय के सीनेटर का पदत्याग कर दिया। गाँधीजी ने जब विदेशी संस्थाओं के बहिष्कार की अपील की थी तो उन्होंने अपने पुत्र मृत्युंजय प्रसाद, जो एक अत्यंत मेधावी छात्र थे, उन्हें कोलकाता विश्वविद्यालय से हटाकर बिहार विद्यापीठ में दाखिल करवाया था। उन्होंने **सर्चलाईट** और **देश** जैसी पत्रिकाओं में इस विषय पर बहुत से लेख लिखे थे और इन अखबारों के लिए अक्सर वे धन जुटाने का काम भी करते थे। १९१४ में बिहार और बंगाल मे आई बाढ़ में उन्होंने काफी बढ़चढ़ कर सेवा-कार्य किया था। बिहार के १९३४ के भूकंप के समय राजेन्द्र बाबू कारावास में थे। जेल से दो वर्ष में छूटने के पश्चात वे भूकम्प पीड़ितों के लिए धन जुटाने में तन-मन से जुट गये और उन्होंने वायसराय के जुटाये धन से कहीं अधिक अपने व्यक्तिगत प्रयासों से जमा किया। सिंध और क्वेटा के भूकम्प के समय भी उन्होंने कई राहत-शिविरों का इंतजाम अपने हाथों मे लिया था।

१९३४ में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मुंबई अधिवेशन में अध्यक्ष चुने गये। नेताजी सुभाषचंद्र बोस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देने पर कांग्रेस अध्यक्ष का पदभार उन्होंने एक बार पुनरु १९३९ में सँभाला था।

भारत के स्वतन्त्र होने के बाद संविधान लागू होने पर उन्होंने देश के पहले राष्ट्रपति का पदभार सँभाला। राष्ट्रपति के तौर पर उन्होंने कभी भी अपने संवैधानिक अधिकारों में प्रधानमंत्री या कांग्रेस को दखलअंदाजी का मौका नहीं दिया और हमेशा स्वतन्त्र रुप से कार्य करते रहे। हिन्दू अधिनियम पारित करते समय उन्होंने काफी कड़ा रुख अपनाया था। राष्ट्रपति के रुप में उन्होंने कई ऐसे दृष्टान्त छोड़े जो बाद में उनके परवर्तियों के लिए उदाहरण बन गए।

भारतीय संविधान के लागू होने से एक दिन पहले २५ जनवरी १९५० को उनकी बहन भगवती देवी का निधन हो गया, लेकिन वे भारतीय गणराज्य के स्थापना की रस्म के बाद ही दाह संस्कार में भाग लेने गये। १२ वर्षों तक राष्ट्रपति के रुप में कार्य करने के पश्चात उन्होंने १९६२ में अपने अवकाश की घोषणा की। अवकाश ले लेने के बाद ही उन्हें भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाज़ा गया।

सरलता

राजेन्द्र बाबू की वेशभूषा बड़ी सरल थी। उनके चेहरे मोहरे को देखकर पता ही नहीं लगता था कि वे इतने प्रतिभासम्पन्न और उच्च व्यक्तित्ववाले सज्जन हैं। देखने में वे सामान्य किसान जैसे लगते थे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें डाक्टर ऑफ ला की सम्मानित उपाधि प्रदान करते समय कहा गया था - बाबू राजेंद्रप्रसाद ने अपने जीवन में सरल व निरुस्वार्थ सेवा का ज्वलन्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। जब वकील के व्यवसाय में चरम उत्कर्ष की उपलब्धि दूर नहीं रह गई थी, इन्हें राष्ट्रीय कार्य के लिए आहवान मिला और उन्होंने व्यक्तिगत भावी उन्नति की सभी संभावनाओं को त्यागकर गाँवों में गरीबों तथा दीन कृषकों के बीच काम करना स्वीकार किया।

सरोजिनी नायडू ने उनके बारे में लिखा था- उनकी असाधारण प्रतिभा, उनके स्वभाव का अनोखा माधुर्य, उनके चरित्र की विशालता और अति त्याग के गुण ने शायद उन्हें हमारे सभी नेताओं से अधिक व्यापक और व्यक्तिगत रुप से प्रिय बना दिया है। गाँधी जी के निकटतम शिष्यों में उनका वही स्थान है जो ईसा मसीह के निकट सेंट जॉन का था।

विरासत

सितम्बर १९६२ में अवकाश ग्रहण करते ही उनकी पत्नी राजवंशी देवी का निधन हो गया। मृत्यु के एक महीने पहले अपने पति को सम्बोधित पत्र में राजवंशी देवी ने लिखा था- मुझे लगता है मेरा अन्त निकट है, कुछ करने की शक्ति का अन्त, सम्पूर्ण अस्तित्व का अन्त। राम.. राम... शब्दों के उच्चारण के साथ उनका अन्त २८ फरवरी १९६३ को पटना के सदाक़त आश्रम में हुआ।

उनकी वंशावली को जीवित रखने का कार्य उनके प्रपौत्र अशोक जाहन्वी प्रसाद कर रहे हैं। वे पेशे से एक अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त वैज्ञानिक एवं मनोचिकित्सक हैं। उन्होंने बाई-पोलर डिसऑर्डर की चिकित्सा में लीथियम के सुरक्षित विकल्प के रुप में सोडियम वैलप्रोरेट की खोज की थी। अशोक जी प्रतिष्ठित अमेरिकन अकैडमी ऑफ आर्ट ऐण्ड साइंस के सदस्य भी हैं।

कृतियाँ

राजेन्द्र बाबू ने अपनी आत्मकथा (१९४६) के अतिरिक्त कई पुस्तकें भी लिखी। जिनमें बापू के कदमों में बाबू (१९५४), इण्डिया डिवाइडेड (१९४६), सत्याग्रह ऐट चम्पारण (१९२२), गान्धीजी की देन, भारतीय संस्कृति व खादी का अर्थशास्त्र इत्यादि उल्लेखनीय हैं।

भारत रत्न

सन १९६२ में अवकाश प्राप्त करने पर राष्ट्र ने उन्हें भारत रत्न की सर्वश्रेष्ठ उपाधि से सम्मानित किया। यह उस भूमिपुत्र के लिये कृतज्ञता का प्रतीक था, जिसने अपनी आत्मा की आवाज़ सुनकर आधी शताब्दी तक अपनी मातृभूमि की सेवा की थी।

निधन

अपने जीवन के आख़िरी महीने बिताने के लिये उन्होंने पटना के निकट सदाकत आश्रम चुना। यहाँ पर २८ फ़रवरी १९६३ में उनके जीवन की कहानी समाप्त हुई। यह कहानी थी श्रेष्ठ भारतीय मूल्यों और परम्परा की चट्टान सदृश्य आदर्शों की। हम सभी को इन पर गर्व है और ये सदा राष्ट्र को प्रेरणा देते रहेंगे।

साभार : विकिपिडीया

बिजली बिलो में दुरुस्ती कर, किसानों के बिजली कनेक्शन पूर्ववत करें - विधायक अग्रवाल

अधीक्षक अभियंता (विद्युत) के कार्यालय में दिया धरना

बुलद गोंदिया – पिछले कुछ दिनों में गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के किसानों ने विधायक विनोद अग्रवाल के पास बिजली विभाग के खिलाफ कृषि हेतु बिजली आपूर्ति को खंडित कर दिए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। बिजली विभाग ८ घंटे बिजली मुहैया करता है, ३ एचपी की मोटर के हिसाब से बिजली विभाग ने किसानों को एक लाख से अधिक बिजली बिल भेजे है। बिल न भरने पर बिजली आपूर्ति काट दी जाएगी, ऐसा विद्युत् विभाग द्वारा बताया गया था। इसके बाद अनेक किसानो के खेत के बिजली की आपूर्ति बिल न भरने के चलते खंडित कर दी गई थी। इस पर काटी, कासा के किसानो ने विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यालय में भेट दी। जिसके बाद विधायक विनोद अग्रवाल ने अधीक्षक अभियंता (विद्युत) के कार्यालय में अपने प्रमुख कार्यकर्ता और अनेक किसानों के साथ धरना आंदोलन किया।

विनोद अग्रवाल ने कहा कि किसानों को गलत बिजली बिल भेजा जा रहा है। बिजली विभाग कृषि के लिए ८ घंटे बिजली की आपूर्ति करता है और मोटर ३ एचपी के ऊपर नही होने से मासिक ८०० रुपये के ऊपर बिजली बिल जा नही सकता। इसका मतलब है कि किसानों को प्रति तिमाही दो से ढाई हजार रुपये से अधिक का बिल नहीं देना चाहिए। इसके बावजूद फिर भी किसानों को औसतन ६,००० से ८,००० रुपये का बिजली बिल भेजा जा चुका है। कुल बिजली बिल लाखों में है। बिजली विभाग द्वारा तुगलकी फरमान जारी करना गलत है कि अगर किसान अपने बिलों का भुगतान नहीं करेगा तो बिजली काट दी जाएगी। इस तरह के लाखो के बिल भेज कर विद्युत् विभाग ने किसानों की चेष्टा की है। इसीलिए जब तक किसानो के बिजली बिल दुरुस्त नही किये जायेगे तब तक धरना आंदोलन जारी रहेगा, ऐसा विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा। इस पर अधीक्षक अभियंता (विद्युत) ने जिन किसान को अधिक बिल दिए गए उन किसान को एक अर्ज के साथ अपने बिल को जोड़कर कार्यालय में जमा करे, ऐसी सुचना दी गयी। विद्युत विभाग द्वारा दिए गए बिजली बिल कम किये जायेंगे। ऐसा आश्वासन अधीक्षक अभियंता (विद्युत) ने दिया। साथ ही ४ क्वार्टर का नियम है, लेकिन कम से कम २ क्वार्टर का भुगतान किया तो बिजली कनेक्शन पूर्ववत कर देंगे ऐसा आश्वासन विधायक विनोद अग्रवाल को अधीक्षक अभियंता ने दिया है।

प्रफुल पटेल के नेतृत्व में क्षेत्र का विकास - राजेंद्र जैन

बुलंद गोंदिया – अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोहमारा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन व सत्कार कार्यक्रम पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे व जिला अध्यक्ष गंगाधर परशुरामकर की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर गंगाधर परशुरामकर, अजय लांजेवार, श्रीमती रीता लांजेवार का शाल व श्रीफल देकर सभी मान्यवरो की उपस्थिति में सत्कार किया गया।

इस कार्यक्रम में संबोधित करते हुए राजेंद्र जैन ने कहा कि सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व में जिले के विकास के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस को जनता का साथ चाहिए तथा पटेल के प्रयासों से किसानों, खेत मजदूरों के हितों में कार्य करते हुए किसानों को धान का २ वर्षो तक बोनस देने का काम किया गया। किसानों को परेशानी न हो इसके लिए दोनों जिलों में धान खरीदी केंद्र बढाए गए। धापेवाडा, रजेगांव, चुलबंध मध्यम प्रकल्प जैसे अनेक प्रकल्प के माध्यम से कृषि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। कोविड-१९ संक्रमण काल के दौरान ऑक्सीजन की आपूर्ति करने, रेमडेसीविर इंजेक्शन की उपलब्धता व अति आवश्यक दवाइयों का भंडार उपलब्ध करवाकर देने का कार्य प्रफुल पटेल द्वारा किया गया। जिन जनप्रतिनिधियों को जनता ने जवाबदारी सौंपी थी वे जनप्रतिनिधि संक्रमण काल के दौरान कभी दिखाई नहीं दिए। जिसके चलते अब उनको उनकी जगह दिखाने का समय आ गया है। जिले में आगामी होने वाले जिला परिषद, पंचायत समिति व नगर पंचायत के चुनावी कार्यक्रम घोषित हो चुके हैं जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता जिम्मेदारी पूर्ण तरीके से कार्य पर लग जाना चाहिए।

इस अवसर पर मनोहर चंद्रिकापुरे ने कहा कि चुनावी कार्यक्रम नियोजन पद्धति से कर सक्रिय कार्यकर्ता को प्रत्येक बूथ की जिम्मेदारी दी गई है तथा जिले के विकास के लिए स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के सभी चुनाव में राष्ट्रवादी के अधिक से अधिक उम्मीदवार को जीताने की जिम्मेदारी प्रत्येक ने ली तो सफलता जरुर मिलेंगी।

उपरोक्त कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, गंगाधर परशुरामकर, सुनील फुंडे, अविनाश काशिवार, अजय लांजेवार, श्रीमती रिता लांजेवार, श्रीमती छाया चौहान, श्रीमती रजनी गिरेपुंजे, डी.यु.राहंगडाले, देवचंद तरोने, गजाजन परशुरामकर, श्रीमती मंजु डोंगरवार, किशोर तरोने, मिलन राऊत, दिनेश कोरे, नामदेव डोंगरवार, रमेश चुरहे, बंड भेंडारकार, श्रीमती वंदना डोंगरवार, सचिन लोहिया, श्रीमती अनिता बांबोर्डे, प्रियंक उजवने, एफ.आर.टी. शाह, अतुल फुले, कृष्णा दलाल, श्रीमती वंदना थोटे, श्रीमती वंदना डोये, श्रीमती अंजली जांभुळकर, श्रीमती इंदु परशुरामकर, श्रीमती शशिकला टेंभुर्णीकर, दिलीप गभने, ईश्वर कोरे, शिवाजी गाहाणे, उज्वल चौधरी, अविनाश भिमटे, नरेंद्र भेंडारकर, मुन्ना देशपांडे, हेमराज खोटोळे, सचिन येशमसुरे, श्रीमती रेखा कोसरकार, उमराव मांडरे, प्रमोद लांजेवार, आनंद इडपाते, आर.बी. वाडई, सुरेश झोडे, श्रीमती प्रतिमा कोरे, श्यामराव वासनिक, मतीन शेख, फारुख शेख, भागवत झिंगरे, श्रीमती संध्या श्रीरंगे, अमीन शेख, कमलेश वालदे, नाजूक झीगरे, डेविड सयाम, संदीप सयाम, नूतन अग्रवाल, मोहन शर्मा, सुभाष कापगते, श्रीमती भाग्यश्री सलामे, श्रीमती संगीता ब्राम्हणकर, नीरज पुंडलिक, रुपेश शर्मा, प्रशांत बालसनवार, ज्ञानिराम कापगते, श्रीमती जया मसराम, श्रीमती चंदा मेघराज, राहुल यावलकर व अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बसपा लड़ेगी सभी नगर पंचायत चुनाव

बुलंद मोरगांव अर्जुनी – आगामी १ दिसम्बर से जिले में शुरु होने वाले चार नगर पंचायतों के चुनाव के मद्देनजर बहुजन समाज पार्टी ने संगठन को चाकचौबंद कर जिले के चारों नगर पंचायतों में अपने दम पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुनावी मोर्चा खोल दिया है। विगत २० नवम्बर से २५ नवम्बर के दरम्यान मोरगांव अर्जुनी, सड़क अर्जुनी, गोरेगांव तथा देवरी नगर में आयोजित संगठन समीक्षा बैठक के दौरान जिला ज़ोन प्रभारी विलास राऊत एवं जिलाध्यक्ष दिनेश गेडाम ने इस बात की संयुक्त घोषणा की। इस अवसर पर बसपा नेता मोहसीन खान, बसपा जिला सचिव व आमगांव देवरी विधानसभा प्रभारी अनील मौर्य, जिला सचिव व अर्जुनी मोरगांव विधानसभा प्रभारी अनील बावने, जिला सचिव व गोरेगांव तिरोड़ा विधानसभा प्रभारी भीमराव साखरे

समीक्षा बैठक में की घोषणा

तथा बीवीएफ जिला सहसंयोजक रोमी नागदेवे प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

संगठन समीक्षा के पश्चात तुरंत ही मोरगांव अर्जुनी बसपा के विधानसभा के पूर्व उम्मीदवार करमचन्द सहारे की विधानसभा क्षेत्र प्रभारी तथा सड़क अर्जुनी बसपा के उमेश घरडे की सड़क अर्जुनी शहर प्रभारी के रुप में नियुक्ति की घोषणा की गई।

समीक्षा बैठक से चुनावी प्रक्रिया शुरु करते हुए पार्टी की ओर से चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों से पार्टी उम्मीदवारी के आवेदन के लिए मोरगांव अर्जुनी नगर पंचायत मे करमचन्द सहारे, सड़क अर्जुनी नगर पंचायत के लिए अनील बावने व उमेश घरडे तथा देवरी नगर पंचायत के लिए शहर प्रभारी रुपेश टेंभूर्णिकर व अनील मौर्य एवं गोरेगांव नगर पंचायत के लिए जिला सचिव व विधानसभा प्रभारी भीमराव साखरे से सम्पर्क करने की अपील भी की गई।

जीवन शैली में सकारात्मक बदलाव के लिए विशेष अभियान

बुलद गोंदिया – जीवनशैली में बदलाव, तंबाकू के कारण व्यायाम की कमी, परिवार में माता-पिता में शराब, उच्च रक्तचाप और मधुमेह, ज्यादा नमक खाने से हाई ब्लडप्रेशर हो सकता है। मधुमेह बढ़ रहा है। प्रत्येक १०० लोगों में २५ प्रतिशत लोगों को हाई ब्लडप्रेशर, ८ से १० प्रतिशत लोग और मधुमेह से पीड़ित हैं।

उसके लिए स्वतंत्रता के अमृत पर्व को न्यायोचित ठहराते हुए राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रमों में निदान और जीवन शैली १३ दिसंबर तक सकारात्मक बदलाव के लिए विशेष अभियान तहसील के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप-केंद्रों में लागू किया जाएगा।

इस अभियान में ३० वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को मधुमेह, रक्तचाप, मुंह के कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर की होगी जांच है। जिन लोगों की जांच की जाएगी उन्हें एक डिजिटल हेल्थ आईडी मिलेगी। यद्यपि जिले में निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ३० वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए है। स्वास्थ्य उपकेंद्र, सरकारी अस्पताल से जांच कराएं और अभियान का लाभ उठाएं।

ऐसी अपील जिला शल्य चिकित्सक डॉ. अमरीश मोहबे और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे ने किया है।

मुंबई में दिव्या भगत पारधी सम्मानित

बुलंद गोंदिया – मुंबई में राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ द्वारा आयोजित सिंहालोकल इस एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्रेंड सत्कार में किया गया था। जिसमें कोविड-१९ में सामान्य वर्ग के लिए उत्कृष्ट कार्य करने पर तथा ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों के विविध कार्यशाला का आयोजन किए जाने पर तथा महिलाओं के लिए विविध सामाजिक उपक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर समाज में जनजागृति का कार्य करने पर राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की गोंदिया महिला जिला अध्यक्ष दिव्या भगत पारधी को मुंबई में राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बबनराव तयवाड़े के हाथों सम्मानित किया गया। जिसमें प्रमुख रुप से पूर्व उपजिलाधिकारी सुदर्शन बोराडे, पूर्व विधायक बालासाहेब शिवे, प्रदेश अध्यक्ष कल्पना मानकर, सचिव शरद वानखेडे, सचिव सचिन राजूरकर, प्रकाश भागवत उपस्थिति थी।

प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति ३१ दिसंबर तक आवेदन आमंत्रित

बुलद गोंदिया – जिले में भूतपूर्व सैनिक, पूर्व सैनिक विधवाओं की देखभाल शैक्षणिक वर्ष २०२०-२१ में १२वीं डिग्री व डिप्लोमा की परीक्षा वर्ष २०२१-२२ में ६० प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण इंजीनियरिंग, मेडिकल, बीडीएस, बीबीएस, बीसीए, बी.एससी (बायोटेक), एमसीए नर्सिंग, बी.फार्म और केंद्रीय सैन्य बोर्ड उन लोगों के लिए जो अन्य व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति दिल्ली द्वारा प्रदान की जाती है।

पूर्व सैनिक या विधवाएं केंद्रीय सैनिक सभी बोर्ड की वेबसाइट www.ksb.gov.in पर फॉर्म भरकर, ३० जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, गोंदिया में आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन नवंबर के बजाय ३१ दिसंबर २०२१ तक जमा करें। यह अपील जिला सैनिक कल्याण अधिकारी गोंदिया ने की है।

नेटबॉल टीम में गुरुनानक स्कूल के विद्यार्थियों का चयन

बुलंद गोंदिया – गोंदिया जिल्हा नेटबॉल असोशिएशन द्वारा १४ वी सब-जूनियर नेटबॉल स्पर्धा के लिए चयन स्पर्धा रखी थी। जिसमें गुरुनानक स्कूल से प्रतीक बागड़े, दीपांशु रामटेके, अक्षय शिहमरे, निखिल पराते, क्रिष घोडेस्वर, अंश चौहन, दीप गड़पायले, सार्थक हाडगे, लड़कियों में वंशिका महतो, दृष्टि यादव, सांझ रंगारी का चयन हुआ। सभी खिलाड़ियों का हिंगोली में होने वाली २६ से २८ नवंबर २०२१ को १४वी सब-जूनियर नेटबॉल स्पर्धा के लिए चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी गोंदिया जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभी चयनित खिलाडियो ने इसका श्रेय प्रशिक्षक ॠतुराज यादव को दिया। सभी चयनित खिलाड़ियों को पंजाबी शिक्षण समिती के अध्यक्ष स. जसजीतसिंग भाटिया, उपाध्यक्ष स. हरलीनसिंग होरा, सचिव स. सुरेंद्रसिंग सलुजा, सहसचिव चिनमय बग्गा, स. अवनितसिंग भाटिया, गुरुनानक हिंदी प्रायमरी के मुख्याध्यापक श्रीमती मंजुश्री देशपांडे, गुरुनानक हिंदी हाईस्कूल के मुख्याध्यापक श्रीमती मंगला किरनापुरे, गुरुनानक अंग्रेजी सी.बी.एस.ई. के मुख्याध्यापक श्रीमती हेमलता व्यास, गुरुनानक इंग्रजी प्रायमरी मुख्याध्यापक श्रीमती गुरनानी, इंग्रजी हायस्कूल एव जूनियर कॉलेज की मुख्याध्यापिक श्रीमती सारिका देशपांडे ने शुभकामनाएं देते हुए इस स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने और अपने माता-पिता एवं स्कूल का नाम रोशन करने एवं उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं की।

लोकशाही दिवस ६ दिसंबर को

बुलद गोंदिया – सामान्य प्रशासन विभाग सर्कुलर के अनुसार हर महीने के पहले सोमवार को लोकतंत्र दिवस का आयोजन किया जाता है। तदनुसार, जिले में आम जनता की समस्याएं, कठिनाइयां और शिकायतों के निराकरण की दृष्टि से ०६ दिसम्बर २०२१ को प्रात: ११ बजे जिलाधिकारी नयना गुंडे की अध्यक्षता में लोकशाही दिवस कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी कार्यलय के हॉल में किया गया है। जिसमे जिलाधिकारी जिले के लोगों की शिकायतों, समस्याओं और शिकायतों को सुनते हैं। सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों से संबंधित विभाग को शिकायतों के निस्तारण का निर्देश देंगे। जिन नागरिको ने १५ दिन पहले अपने आवेदन जमा किए हैं वे ही लोकशाही दिवस उपस्थित रहे और अपनी समस्याओं और शिकायतों को प्रस्तुत करें। संबंधित इस बात का ध्यान रखें, इस प्रकार की जानकारी उप निवासी जिलाधिकारी सुभाष चौधरी ने दी।

महापरिनिर्वाण दिवस

महापरिनिर्वाण दिवस या डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर स्मृति दिवस ६ दिसंबर को मनाया जाता है। अम्बेडकर का निधन ६ दिसंबर, १९५६ को दिल्ली में हुआ था। ७ दिसंबर को मुंबई के चैत्यभूमि में बौद्ध तरीके से उनका अंतिम संस्कार किया गया था। अपनी मृत्यु से पहले, उन्होंने १४ अक्टूबर, १९५६ को लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपना लिया था। अम्बेडकर एक बौद्ध गुरु थे, इसलिए बौद्ध अवधारणा में **महापरिनिर्वाण** शब्द का प्रयोग उनकी पुण्यतिथि के लिए किया जाता है। महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर, पूरे भारत से लाखों लोग १ दिसंबर से मुंबई में उनकी समाधि चैत्यभूमि पर जाते हैं। २५ लाख से अधिक भीम भक्त चैत्यभूमि पर इकट्ठा होते हैं, और चैत्यभूमि स्तूप में अंबेडकर के अवशेषों और छवियों को सलाम करते हैं और बाबासाहेब को नमन करते हैं। इस दिन, पूरे भारत और दुनिया भर के अम्बेडकरवादी उनकी स्मृति में उनकी छवि और मूर्तियों को रखकर उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। स्थानीय बौद्ध मठ (बौद्ध मंदिर), अपने घर, सार्वजनिक स्थान, स्कूल-कॉलेज, सरकारी कार्यालय आदि स्थान उन्हें इस दिन बधाई देता है। राजनीतिक नेताओं और अन्य मंडलियों ने बाबासाहेब के सार्वजनिक स्थान, अम्बेडकर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व में, महापरिनिर्वाण महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश था। महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. अम्बेडकर अनुयायियों से आग्रह है कि बाबासाहेब अम्बेडकर का अभिनंदन करें। चैत्यभूमि पर हजारों पत्र आते हैं, ये पत्र उर्दू, हिंदी, मराठी, अंग्रेजी, तेलुगु जैसी कई भाषाओं में भेजे जाते हैं। इससे डाक विभाग को आर्थिक मजबूती भी मिलती है।

पृष्ठभूमि

६ दिसंबर १९५६ को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का दिल्ली में उनके आवास पर निधन हो गया। उसके बाद उनके पार्थिव शरीर को राजगृह (दादर) मुंबई लाया गया। ७ दिसंबर १९५६ को शिवाजी पार्क के पास हिंदू श्मशान में १२ लाख अनुयायियों के सामने बौद्ध तरीके से उनका अंतिम संस्कार किया गया। उस समय, यह स्थान केवल हिंदू श्मशान भूमि के रुप में जाना जाता था। कुछ साल बाद, अम्बेडकर की पवित्र अस्थि पर एक चैत्य बनाया गया। अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए पूरे भारत से लाखों बौद्ध हर साल १ दिसंबर से मुंबई के चैत्यभूमि (दादर) शिवाजी पार्क में आते हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका और अम्बेडकरवादी स्वयंसेवक बड़ी लगन से इन जनता की देखभाल कर रहे हैं। वफादार अनुयायियों की संख्या हर साल बढ़ रही है। चौत्यभूमि में २५ लाख अनुयायी बाबासाहेब की अस्थियों को प्रणाम करने आते हैं और उनका अभिवादन करते हैं। डॉ.अम्बेडकर चैत्यभूमि स्मारक अम्बेडकर के अनुयायियों और विचारकों के साथ-साथ देश-विदेश के लोगों के लिए प्रेरणा का स्थान है।

आई.एस. २००२ से अम्बेडकर आंदोलन के कार्यकर्ताओं ने डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस समन्वय समिति की स्थापना नगरपालिका प्रशासन के साथ समन्वय करके और अनुयायियों को सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करके की जाती है। २०१७ में ६१वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया था। इस बार १५ मिनट का मौन रखकर, बुद्ध की पूजा के रुप में और मानव समाज के प्रति अनुशासित मंगलमैत्री बनाकर इस वर्ष से ऐसा महापरिनिर्वाण दिवस आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

४५ करोड़ का घोटाला

जागृति भ्रष्टाचार संघर्ष समिति का विधायक रहांगडाले के कार्यालय समक्ष धरना आंदोलन

बुलंद गोंदिया – गोंदिया जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम मुंडी कोटा की जागृति पत्र संस्था द्वारा हजारों खातेदारों को चूना लगाते हुए ४५ करोड़ के करीब का गबन किया है। जिसके खिलाफ जागृति भ्रष्टाचार संघर्ष समिति द्वारा निरंतर आंदोलन भी किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत संघर्ष समिति द्वारा तिरोड़ा के विधायक विजय रहांगडाले के कार्यालय के समक्ष १ दिन का धरना आंदोलन किया गया किंतु इस दौरान विधायक द्वारा आंदोलनकारियों से मिलना भी उचित नहीं समझा।

गौरतलब है कि तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम मुंडीकोटा की जागृति पतसंस्था के संचालकों व कर्मचारियों द्वारा धोखाधड़ी करते हुए हजारों खाताधारकों के करीब ४५ करोड रुपए का गबन किया है। उपरोक्त प्रकरण वर्ष २०१७ से शुरु है जिसमें खातेदार को द्वारा अपने जमा किए गए पैसों की मांग निरंतर की जा रही है तथा इस संदर्भ में पीडित खातेदार को द्वारा तिरोड़ा पुलिस थाने में शिकायत भी दर्ज करवाई गई जिसके पश्चात पुलिस द्वारा कुछ कार्यवाही कर कुछ आरोपियों को हिरासत में भी लिया तथा कुछ फरार हो चुके हैं। उपरोक्त मामले में वर्ष २०१९ के विधानसभा चुनाव में तिरोड़ा के विधायक विजय रहांगडाले द्वारा पीड़ितों को आश्वासन दिया गया था कि संस्था में डूबे पैसे उन्हें वापस दिलवाए जाएंगे ऐसा आंदोलनकारियों द्वारा कहा गया है। किंतु ३ वर्षों की समय अवधि बीत जाने के बावजूद किसी भी खाते धारकों को उनका डूबा हुआ पैसा नहीं मिल पाया है। इसी के चलते जागृति भ्रष्टाचार संघर्ष समिति के तत्वाधान में विधायक कार्यालय के समक्ष धरना आंदोलन किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में पीड़ित खातेदार शामिल हुए हैं। किंतु इस आंदोलन के दौरान विधायक द्वारा आंदोलनकारियों से मिला भी नहीं किया गया जिसके चलते आंदोलनकारियों में आक्रोश निर्माण हो गया। इस आंदोलन के दौरान तिरोड़ा पुलिस द्वारा विधायक कार्यालय के समक्ष सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। उपरोक्त आंदोलन में जागृति भ्रष्टाचार संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार तायवाड़े, उपाध्यक्ष अशोक पेलागड़े, सचिव रितेश कुमार गहरवार, प्रभाकर गायकवाड, तिबुडे, अजय वैद्य, बंसोड़, शर्मा मैडम व बड़ी संख्या में पीड़ित उपस्थित थे।

सिंधी कॉलोनी में अवैध निर्माण कार्य

नप की कार्रवाई शुरु, पुलिस में दर्ज हुआ मामला

बुलंद गोंदिया – गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सिंधी कॉलोनी रावण मैदान निवासी १० नागरिकों द्वारा बिना नगर परिषद की मंजूरी के शासकीय भूमि पर अवैध रुप से निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिनके खिलाफ मुख्य अधिकारी करण चौहान के आदेश पर सहायक नगर रचनाकार सौरभ कावड़े द्वारा शहर पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया गया।

प्रकरण इस प्रकार है कि प्रभाग क्रमांक १५ के पार्षद सिंधी कॉलोनी रावण मैदान निवासी दिलीप तुलसीराम गोप्लानी द्वारा अवैध निर्माण कार्य किए जाने की शिकायत आरटीआई कार्यकर्ता सिंधी कॉलोनी निवासी महेश श्यामकुमार वाधवानी द्वारा लिखित रुप से नगर परिषद में ८ जून २०२० को की थी। इस संदर्भ में नगर परिषद प्रशासन द्वारा बांधकाम संबंधी तथा जगह की मालकी हक्क संबंधित दिलीप गोप्लानी को पत्र भेजा गया था जिसके अनुसार दिलीप गोप्लानी द्वारा १० जुलाई २०२० को दिए गए अपने जवाब में कहा कि उपरोक्त मालकीयत की जगह का मेरा किसी प्रकार का संबंध नहीं है। जिसके पश्चात २० जुलाई २०२० को पूरनलाल मुरलीधर गोप्लानी, विक्रम मुरलीधर गोप्लानी, राजकुमार नंदलाल गोप्लानी, अमित नंदलाल गोप्लानी सभी सिंधी कॉलोनी निवासी द्वारा उपरोक्त जगह पर निर्माण कार्य व नक्सा मंजूरी के लिये नगर परिषद में आवेदन किया था। जिस पर मुख्य अधिकारी के आदेश पर सिंधी कॉलोनी परिसर में जाकर उपरोक्त प्रकरण की जांच की गई जिसमें गैर अर्जदार राजकुमार(रामकुमार) नंदलाल गोप्लानी, अमित नंदलाल गोप्लानी, पूरनलाल मुरलीधर गोप्लानी, राजकुमार नेचलदास मोटवानी, रमेश कुमार नेचलदास मोटवानी, कौशल्या देवी रमेशलाल नागवानी, पुष्पा देवी मोहनलाल गांधी, सुलोचना भीषम कुमार लालवानी, आशा देवी रामचंद्र रामचंदानी, तुलसीदास मोतीराम गोप्लानी द्वारा नगर परिषद की सीमा के अंतर्गत आने वाले सीट क्रमांक २५ प्लाट क्रमांक १/३६, १/३७ जिसका अंदाजन क्षेत्र २४०० वर्ग फुट तथा प्लाट क्रमांक १/१०९ क्षेत्रफल अंदाज २०० फुट की जगह पर नगर परिषद से किसी भी प्रकार की मंजूरी न लेकर अवैध रुप से मकान का निर्माण कार्य शुरु हो ना दिखाई दिया। इसके पश्चात मुख्य अधिकारी गोंदिया के आदेश पर फरियादी सहायक नगर रचनाकार सौरभ कावड़े द्वारा महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन व नगर रचना अधिनियम १९६६ की कलम ५३ व ५४ के तहत गैर अर्जदारसमी १० लोगों पर शहर पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया गया।

शहर पुलिस द्वारा उपरोक्त मामले में अपराध क्रमांक ८६०/२०२१ धारा ५३, ५४ महाराष्ट्र प्रादेशिक व नियोजन नगर रचना अधिनियम १९६६ के तहत मामला दर्ज किया गया उपरोक्त मामले में शहर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरु की गई है।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त प्रकरण के चलते तत्कालीन जिलाधिकारी दीपक कुमार मीणा द्वारा क्षेत्र के पार्षद दिलीप गोप्लानी की नगर परिषद की सदस्यता रद्द की गई थी। इसके पश्चात पार्षद द्वारा यह मामला मंत्रालय में पेश किया गया था जहां सुनवाई के दौरान पार्षद की सदस्यता तो बहाल की गई। किंतु नगरविकास विभाग के माननीय मंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा इस मामले में जिला अधिकारी को आदेश दिया गया था कि शासकीय जमीन पर हो रहे अवैध अतिक्रमण के संदर्भ में तत्काल जांच कर उस पर नियमानुसार कार्यवाही की जाए व अवैध कब्जा धरियो से शासकीय भूमि को शासन जमा किया जाए जिसके चलते राजस्व व नगर परिषद प्रशासन द्वारा मामले की जांच कर अपनी कार्रवाई शुरु की गई है।

अब यह देखना है कि इस मामले में सही आरोपी कौन सामने आता है यह जांच के पश्चात ही राजस्व, नगर परिषद व पुलिस विभाग द्वारा खुलासा किया जा सकेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार उपरोक्त प्रकरण में उपविभागीय अधिकारी द्वारा मामले की जांच शुरु की गई है जिससे संभावना जताई जा रही है कि उपरोक्तशासकीय जमीन पर अतिक्रमण कर अवैध निर्माण किए जाने के मामले में जमीन शासन जमा होने की संभावना प्रबल हो गयी है।

बालासाहेब ठाकरे पुण्यतिथि अवसर पर रक्तदान शिविर

बुलंद संवाददाता तुमसर – हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि के अवसर पर तुमसर के शिवसेना मध्यवर्ती जनसंपर्क कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों शिवसैनिकों द्वारा रक्तदान किया गया।

गौरतलब है कि हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि के अवसर पर तुमसर तहसील व शहर शिवसेना के संयुक्त तत्वधान में तुमसर के शिवसेना मध्यवर्ती जनसंपर्क कार्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें सैकड़ों शिवसैनिकों द्वारा रक्तदान किया गया। इस रक्तदान शिविर में प्रतिवर्ष रक्तदाताओं को शिवसेना की ओर से ठंड के मौसम के चलते स्वेटर व गर्म कपड़े वितरित किए गए। इस शिविर में कुल ६० रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान कर बालासाहेब ठाकरे को आदरांजली व्यक्त की गई। इसके साथ ही तुमसर तहसील के कक्षा दसवीं के जरुरतमंद विद्यार्थियों को तुमसर के तज्ञ प्राध्यापकों के माध्यम से गणित व विज्ञान विषय का जनवरी-फरवरी व मार्च इन ३ माह में साई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में निशुल्क कोचिंग दी जा रही है।

इस अवसर पर पूर्व सांसद शिशुपाल पटले, सौ.रंजीता कारेमोरे, सौ.रिता हलमारे, नगरसेविका सौ. पमाताई ठाकुर, उपविभागीय पोलीस अधिकारी संतोषसिंह बिसेन, तुमसर पोलीस निरीक्षक नितीन चिचोंलकर, तहसीलदार बाबासाहेब टेले, शिवसेना भंडारा जिला प्रमुख संजय रेहपाडे, भंडारा जिला संघटक किशोर चौधरी, विधानसभा संघटक सुधाकर कारेमोरे, नरेश उचीबगले, दिनेश पांडे, भंडारा जिल्हा कामगार सेना अध्यक्ष श्रीकांत पंचबुधे, अनील साव, तुमसर उपजिल्हा रुग्णालय के डॉ सचीन बाळबुधे. डॉ. गोविन्द कोडवाणी, एड.तिमांडे, ओमेश्वर वासनिक, किसान गर्जना सस्थांपक राजेन्द्र पटले, युवा सेना पदाधिकारी मनोज चौबे, अनील कारेमोरे. बाजार समीती संचालक अरविंद कारेमोरे, प्रकाश पारधी, तुमसर नगराध्यक्ष प्रदिप पडोले, नगरसेवक प्रमोद घरडे, अमर रगडे, प्रमोद तितिरमा, सामाजिक कार्यकर्ता तोषल बुरडे, योगेश रंगवानी, ललीत बोंदरे, सुमीत अग्रवाल, याशीन छवारे, प्रविण भुरे, लोकेश बम्हलोटे, डॉ. लहाने गुप्ता तथा अनेक मान्यवर प्रमुख उपस्थित थे।

लहिटोला मंडई मेला का उद्घाटन कार्यक्रम सम्पन

बुलंद गोंदिया – लहिटोला के मंडई मेला कार्यक्रम का उद्घाटन गोंदिया विधानसभा के विधायक विनोद अग्रवाल, सचिन (बंटी) मिश्रा (गोंदिया जिला मजूर संघ अध्यक्ष), अभय अग्रवाल (परिणय फुके प्रतिनिधि गोंदिया), रतन गोपलानी, नूतन नागपुरे, दिनेश द्विवेदी, अंकेश हरिनखेड़े की प्रमुख उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष कमलेश नागपुरे ने विधायक विनोद अग्रवाल का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। गोंदिया जिला मजूर संघ के अध्यक्ष का पंकज पगरवार, पवन ठाकरे ने अभय अग्रवाल का स्वागत किया। अन्य सभी अतिथियों का स्वागत ग्रामीणों की ओर से किया गया। इस अवसर पर समिति के प्रमुख कार्यकर्ता प्रमुख रुप से उपस्थित थे। जिसमे लिखीराम नागपुरे, वसंत नागपुरे, देवेन्द्र बघेले, दिनेश राहंगडाले, निरंजन तुरकर, रंगलाल नागपुरे, मुनेश्वर नागपुरे, अक्षय पटले, रुपलाल आम्बेडारे, दिपक नागपुरे व बड़ी संख्या में ग्राम के नागरिक उपस्तिथ थे।

सुअरों ने की फसल नष्ट

बुलंद संवाददाता - गोरेगांव वन परिक्षेत्र के मुंडीपार सहायक वन परिक्षेत्र आता है। इस क्षेत्र में मुंडीपार, गराड़ा, सोदलागोंदी, जांभुलपानी, पिंडकेपार, रामाटोला, मलपुरी सहित अनेक ग्राम आते है। यह सभी ग्राम नागझिरा अभयारण्य के जंगलों से कुछ ही दुरी पर बसे हुए है। अनेक किसानों की खेती जंगल से सटी हुई है। खरीफ धान की फसल किसानों द्वारा लगाई गई, किंतु जंगली सुअरों के झुंड ने धान की खड़ी फसलों को रौंदकर नष्ट कर दिया है। हाथ में आई फसल नष्ट होने से किसानों में नाराजी देखी जा रही है। किसानों द्वारा जानकारी मिलते ही संबंधित वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा नुकसानग्रस्त किसानों के खेतों में जाकर पंचनामे किए। इस संदर्भ में मुंडीपार सहायक वनपरिक्षेत्र अधिकारी कार्यालय द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि वन्यप्राणियों द्वारा फ्सल को नष्ट करने से लगभग ४ से ५ एकड़ में लगे धान को नुकसान पहुंचा है। सरकारी समर्थन मुल्य के तहत लगभग ३ लाख रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। सभी नुकसानग्रस्तों के पंचनामे कर नुकसान भरपाई हेतु उपवन संरक्षक कार्यालय में प्रस्ताव भेज दिए गए है।

समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे और मेट्रो रेल का गोंदिया तक होंगा विस्तारीकरण

बुलंद गोंदिया – गोंदिया की युवा जागृति सामाजिक संस्था द्वारा समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे जो मुंबई से नागपुर तक प्रस्तावित है उसका विस्तार गोंदिया तक करने तथा नागपुर से प्रस्तावित भंडारा तक आने वाली महामेट्रो को भी गोंदिया तक विस्तारित करने की मांग ३ वर्षों से निरंतर की जा रही है। जिसमें संस्था अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, विष्णु शर्मा, महबूब हीरानी, प्रकाश तिड़के, राजेश बंसोड़, रितेश अग्रवाल, जितेंद्र परमार आदि ने करते हुए अनेकों बार केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल, गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल, सांसद गडचिरोली अशोक नेते व सांसद सुनील मेंडे से दिल्ली- मुंबई- नागपुर में जाकर मुलाकात करते हुए निवेदन दिया था तथा उपरोक्त विस्तारीकरण की मांग की थी जिसके चलते अब समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे को नागपुर से गडचिरोली एवं नागपुर से गोंदिया तक विस्तारित करने की घोषणा की जा चुकी है। साथ ही ७०१ किमी मुंबई-नागपुर समृद्धी हाईवे के गोंदिया एवं गडचिरोली तक विस्तार हेतु एमएसआरडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर राधेश्याम गोपलवार द्वारा विस्तृत योजना बनाने हेतु निविदा भी आमंत्रित करने की जानकारी दी गई। उसी के साथ ही गत दिनों परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लातूर में एक सड़क उद्घाटन कार्यक्रम में कहा था कि महामेट्रो गोंदिया तक विस्तारित की जा रही है। जिसके चलते गोपाल अग्रवाल व उनके सहयोगियों द्वारा विशेष रुप से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, नाना पटोले, प्रफुल पटेल व महाराष्ट्र के शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त किया कि उनके द्वारा समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे व महामेट्रो का गोंदिया तक विस्तारिकरण को मंजूरी दी गई है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे का नाम हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग हैं जो ६ लाइन का होगा जिसके विस्तार की योजना को शीघ्र ही महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के समक्ष मंजूरी के लिए रखा जाएगा। १० जिलों से गुजरने वाले इस महामार्ग में अब गोंदिया-चंद्रपुर और गढ़चिरौली जिले भी जुड़ जाएंगे उपरोक्त मामले में गोंदिया के कुछ नागरिकों व युवा जागृति द्वारा जनप्रतिनिधियों को समय रहते जागरुक कर गोंदिया जिले से होने वाले अन्य की जानकारी देकर जागरुकता का परिचय दिया है जिसका लाभ जिले की जनता को प्राप्त होगा।

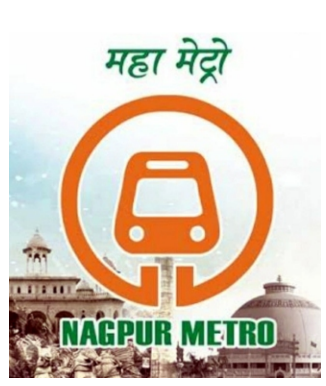

पूर्व मंत्री बडोले ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

बुलंद अर्जुनी मोरगांव – अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दिनकर नगर, गौर नगर, केसोरी, महागांव जिला परिषद क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की सभा पूर्व मंत्री इंजी. राजकुमार बडोले की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद कर आगामी सभी स्थानीय चुनाव में पक्ष को मजबूत करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर सांसद सुनील मेंढे, संगठन मंत्री बाला अंजनकर, महामंत्री लायकराम भंडारकर, तहसील अध्यक्ष अरविंद शिवनकर, प्रकाश गहाने, डॉ.गजानंद डोंगरवार, रघुनाथ लांजेवार, कासीम जमा कुरेशी, रामदास कोहाटकर, मुरलीधर ठाकरे, देशमुख गुरुजी, डॉ.बबन कांबले, तेजूकला गहाने, वर्षा घोरमोड़े, जयश्री देशमुख, रामलाल मुंगनकर, रमेश मस्के, खोकन सरकार, विलास बोरकर, विकास वैद्य, संजय विश्वास, सहित भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गुजराती समाज द्वारा दिये गए अग्नि संस्कार के पिंजरों का लोकार्पण

बुलंद गोंदिया – नगर परिषद विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा संचालित सर्व समाज मोक्षधाम सेवा समिति के २८२ वे सप्ताह में गुजराती समाज गोंदिया द्वारा अग्नि संस्कार के लिए ८ पिंजरे व रंग रोगन कराया गया एवं साथ ही में नगर परिषद द्वारा रिपेयरिंग और मोक्षधाम स्थित मंदिरों के छत का काम कराया गया जिसका लोकार्पण ५ छोटी बेटीयो और किन्नर समाज के निशानी के हाथों से विधिवत पूजा कर किया गया कार्यक्रम की शुरुआत ओमकार का जाप, श्री राम जय राम, व हनुमान चालीसा एवं सामूहिक गीत कर शुरु हुआ उपरोक्त कार्यक्रम विनोद अग्रवाल विधायक गोंदिया, अशोक इंगले नगराध्यक्ष गोंदिया न. प, मुक्तानंद ढोमने विहिप नगर अध्यक्ष, चिराग भाई पटेल समाजसेवक, रोशन जायसवाल समिति के अध्यक्ष, शिव शर्मा उपाध्यक्ष, गोंदिया न. प, राजू कुथे बांधकाम सभापति, न. प., डॉ. सुधीर जोशी, कशिश जैसवाल पूर्व नगराध्यक्ष की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर गुजराती समाज के अलावा गोंदिया शहर के अनेक समाज सेवक व गणमान्य पुरुष व महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राष्ट्रवादी कांग्रेस ने मनाया संविधान दिन

बुलंद गोंदिया – राष्ट्रवादी कांग्रेस भवन रेलटोली गोंदिया में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन की प्रमुख उपस्थिति में २६ नवंबर को संविधान दिन मनाया गया। सर्वप्रथम डॉ आंबेडकर के तेल चित्र को अभिवादन कर संविधान दिन की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। आगे उन्होंने कहा कि आज का दिन भारतीय गणतंत्र में महत्वपूर्ण है। संविधान को स्वीकार कर भारतीय जनता को अर्पित किया गया। संविधान के निर्माण करने वाले सभी महान विभूतियों को कोटि-कोटि अभिवादन। साथ ही २६/११ को मुंबई में आतंकवादियों के हमले का निषेध कर हमले में शहीद श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।